>

Title: Need to increase the amount of comensation to the victims of road accident in Gazipur, Uttar Pradesh.

श्री रमाशंकर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदया, महाराणा प्रताप ने स्वाभिमान के लिए जंगल की रोटी खाई थी, ठीक उसी तरह से इतिहास में जानी जाने वाली एक राजभर जाति है, जो विदेशी आक्रमणकारियों से तबाह होकर पूर्वांचल में बसी है। 22 तारीख को हमारे संसदीय क्षेत्र के सियर तहसील के कुभावं थाना अंतर्गत एक गांव उस्मानपुर अवायं है। गाजीपुर जनपद के एकअमुआं गांव में सती माई का स्थान है, ऐसा अंधविश्वास है कि वहां जो आदमी जाएगा, सांप काटने से वह ठीक हो जाएगा। आठ बजे सुबह राजभर जाति के लोग ट्राली पर सवार होकर चलते हैं, वे अभी आठ-दस किलोमीटर तक गए हैं कि ट्राली उलट जाती है।...(व्यवधान)

MADAM CHAIRMAN: Hon. Members, it is already 6 o'clock. If you all agree then we may continue with the proceedings till we finish the Zero Hour.

श्री रमाशंकर राजभर : सभापति महोदया, ट्राली पर 60 लोग चलते हैं और वह उलट जाती है। मैं मौके पर था, छ: महीने, एक साल, तीन साल के 11 बच्चे, 13 बच्चियां और 18 महिलाएं, 42 तो ऑन द स्पॉट मर गई। एक घंटा, बीस मिनट भी नहीं लगे, जहां ट्राली उलटी थी, उसके नीचे पानी था, उस पानी से लोग उठ नहीं पा रहे थे, वे लोग उसी में डूब कर मर गए। 18 लोग घायल हैं। हम लोग मौके पर पहुंचे, उत्तर प्रदेश की सरकार बहन कुमारी मायावती जी ने तुंत ही मृतक परिवार के जो लोग थे, उन्हें एक-एक लाख रुपया, जो अति घायल हैं, उन्हें 50 हजार रुपए और जो कम घायल हैं, उन्हें 25 हजार रुपए ठिए। आपको जानकार ताज्जुब होगा कि कुल 42 लोग मरे, जिनमें 38 राजभर जाति के थे। इस देश का दुर्भाग्य है कि जो जाति कभी राजा रही और जो जाति विदेशी आक्रमणकारियों से लड़ कर आज नदी-नालों के किनारे जादू-टोने पर विश्वास करती है, आज उसके अस्तित्व पर खतरा हो गया है।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं, उन्हें यह लगे कि देश मेरे साथ है, इसके लिए मृतकों को पांच लाख रुपए, ज्यादा घायलों को दो लाख रुपए और कम घायलों को एक-एक लाख रुपया भारत सरकार दे ताकि उन्हें यह विश्वास हो कि देश मेरे साथ खड़ा है। धन्यवाद।